



निगरानी 145-I-15

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर, कैम्प, सागर

पूरन तनय घतरु काछी,

निवासी-गोलनी, तहसील खुरई, जिला सागर

निगरानी कर्ता

... / आवेदक

॥ विरुद्ध ॥

म.प. शासन

... अनावेदक

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म.प.भू.रा.संहिता 1957

आवेदक/निगरानीकर्ता निम्न पार्थी है:-

आवेदक/निगरानीकर्ता यह निगरानी न्यायालय श्रीमान् अपर आयुक्त महोदय सागर संभाग सागर की निगरानी प्र० क्र० 171/अ-19/08-09 आदेश दिनांक 27.11.13 के विरुद्ध निम्नलिखित तथ्य एवं आधारों पर प्रस्तुत करता है:-

// निगरानी के तथ्य //

1. यह कि, आवेदक/निगरानीकर्ता के मौजा ग्राम गोलनी पट.हन. 59 तह. व खुरई, जिला सागर स्थित सर्वे नंबर 357 रकवा 1.46 हे० में से 1.20 हेक्टेयर भूमि वर्षों से कब्जा होने के कारण व्यवस्थापन किये जाने हेतु एक आवेदनपत्र दिनांक 15.3.1995 को श्रीमान् नायब तहसीलदार बांदरी के समक्ष प्रस्तुत किया था।

2. यह कि, श्रीमान् तहसीलदार बांदरी ने विधीवत् प्रकरण पंजीकृत कर इस्तहार जारी कर व हल्का पटवारी से प्रतिवेदन आहूत कर

श्री ... द्वारा ... द्वारा ... सागर (म. प्र.)

766
02-01-15
सागर

16-1-15

पृ. 201

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

60

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 145-एक/15

जिला सागर

स्थान तथा दिनांक

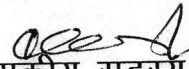
कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

5-2-2015
सागर कैंप

आवेदक अधिवक्ता द्वारा समय सीमा अधिनियम की धारा - 5 के आवेदन पर व ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया तथा अपर आयुक्त सागर संभाग सागर के प्रकरण क्रमांक 171/अ-19/2008-09 में पारित आदेश दिनांक 27-11-13 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया, जिससे परिवेदित होकर आवेदकपक्ष द्वारा यह निगरानी इस न्यायालय के समक्ष अवधि बाह्य प्रस्तुत की गई है।

3- अपर आयुक्त न्यायालय के आदेश से स्पष्ट है कि आवेदक के द्वारा यह निगरानी एक वर्ष से भी अधिक के विलम्ब से इस न्यायालय में प्रस्तुत की है व विलम्ब का कोई समाधानकारक तर्क अपने आवेदन व तर्क के दौरान प्रस्तुत नहीं किया है, अतः प्रथमदृष्टया यह निगरानी अवधि बाह्य होने से इसी स्तर पर सुनवाई हेतु अग्राह्य की जाती है।


प्रशासकीय सदस्य